शुक्रवार
11 मार्च 2022

पृष्ठ 4

सिर्फ खाने में नहीं, कई छोटे-बड़े कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है लौंग

पृष्ठ 5

फिल्म मिरांडा बॉयज से बाहर हुई मौनी रॉय?

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 46
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कौन बनेगा सीएम, मंथन शुरू

विशेष संवाददाता

देहरादून। अपने युवा नेतृत्व के नाम पर चुनाव मैदान में उतरी भाजपा भले ही 47 सीटों पर जीत के साथ फिर सत्ता हासिल करने में सफल रही हो लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की हार के बाद उनको मुख्यमंत्री बनाए जाने के मुद्दे पर पेंच फंस गया है। राज्य का मुख्यमंत्री

❑हाईकमान ने भेजे दो पर्यवेक्षक
❑विधायकों की राय लेकर होगा फैसला

कौन होगा इस पर फैसले के लिए अब केंद्र से दो पर्यवेक्षकों को भेजा गया है जो सभी विजयी विधायकों से उनकी राय लेंगे जिसके आधार पर भाजपा हाईकमान द्वारा तय किया जाएगा कि राज्य की नई सरकार का नेतृत्व कौन करेगा?

भले ही चुनाव से पूर्व यह माना जा रहा था कि जब चुनाव मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है तो वही भाजपा की सरकार बनने पर फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। लेकिन इस चुनाव में 47 सीटों पर जीत के साथ भाजपा के प्रचंड बहुमत से सत्ता में आने का रास्ता तो साफ हो गया मगर धामी के भारी मतातंर से चुनाव हार जाने के कारण सीएम की कुर्सी का

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम धामी का इस्तीफा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में अपने मंत्रियों की कैबिनेट बैठक बुलाई। जिसके बाद उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया गया। मुख्यमंत्री का यह इस्तीफा संवैधानिक व्यवस्थाओं के तहत सौंपा गया जिससे नई सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ सके।

यह अलग विषय है कि वह नई सरकार के मुख्य सेवक यानी मुख्यमंत्री बनाए जाते हैं या नहीं। क्योंकि वह विधानसभा चुनाव हार चुके हैं इसलिए उनके इस कुर्सी पर बने रहना अभी तय नहीं है। आज की कैबिनेट बैठक भी मुख्यमंत्री धामी की आखिरी कैबिनेट बैठक की हो सकती है, अगर पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाती है। नये मुख्यमंत्री के चयन की कवायद उनकी हार के साथ शुरू हो चुकी है। वही राज्यपाल द्वारा उन्हें नई सरकार के गठन तक कार्यकारी मुख्यमंत्री बने रहने को कहा गया है।

रामनगर ने हरीश और रंजीत दोनों को हराया

विशेष संवाददाता

देहरादून। पूर्व सीएम हरीश रावत अगर रामनगर सीट से चुनाव लड़ने की जिद पर न अड़े होते तो शायद उन्हें खुद तो शर्मनाक हार का सामना करना ही न पड़ता इसके साथ ही रंजीत रावत भी चुनाव न हारते।

रामनगर सीट से रंजीत सिंह रावत बीते कई सालों से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हुए थे लेकिन चुनाव की कमान संभाल रहे हरीश रावत ने अपनी निजी प्रतिद्वंद्विता के कारण रामनगर सीट से खुद को टिकट करा लिया गया और रंजीत रावत को कांग्रेस ने रामनगर के अलावा कहीं और सीट तलाशने को कह दिया गया, जिसके कारण रंजीत रावत हरीश और कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलने पर विवश हो गए। जब बात नहीं बनती दिखी तो पार्टी ने दोनों से ही रामनगर पर दावेदारी छोड़ने को कह दिया गया। नतीजा यह हुआ कि रंजीत सिंह रावत को मजबूरी में सल्ट सीट पर जाना पड़ा और हरीश रावत को लाल कुआं का रुख करना पड़ा। जिस रामनगर सीट पर विवाद हुआ वहां कांग्रेस को डॉ. महेंद्र सिंह पाल को मैदान में उतारना

❑कांग्रेस को कई सीटों पर हुआ नुकसान

पड़ा। जो भाजपा प्रत्याशी दीवान सिंह बिष्ट से बुरी तरह चुनाव हार गए और एक जिताऊ सीट कांग्रेस के हाथ से चली गई। वहीं भाजपा के महेश जीना ने सल्ट सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रंजीत रावत को भी हरा दिया। सल्ट व रामनगर की सीट तो इस विवाद के कारण कांग्रेस के हाथ से निकल ही गई। लाल कुआं सीट से कांग्रेस प्रत्याशी संध्या बड़ाकोटी का टिकट काटने पर हरीश रावत को उनकी नाराजगी का खामियाजा अपनी करारी हार के रूप में चुकाना पड़ा। चुनाव मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में कूदी संध्या बड़ाकोटी के कारण ही हरीश रावत की इतनी बड़ी हार हुई

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

सूमी से निकाले गए भारतीय छात्रों को लेकर दिल्ली पहुंचा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली । युद्धग्रस्त यूक्रेन के सूमी शहर से निकाले गए भारतीय छात्रों को पोलैंड के ज़ेजॉ शहर से लेकर एयर इंडिया का एक विशेष विमान शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचा। विमान ने गुरुवार रात साढ़े ११ बजे ज़ेजॉ से उड़ान भरी थी और शुक्रवार सुबह पौने ६ बजे वह दिल्ली पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि एक और विमान के दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि पहली उड़ान प्रथम, द्वितीय और तृतीय साल के छात्रों के लिए थी। उन्होंने बताया कि दूसरे विमान में चौथे–पांचवे वर्ष के छात्र आएंगे। तीसरा विमान उन लोगों के लिए है, जिनके पास पालतू जानवर हैं। इसके अलावा उसमें पांचवें–छठे वर्ष के छात्र और अगर कोई वहां रह गया है, तो उसे भी लाया जाएगा। भारत, रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद से युद्धग्रस्त देश में फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी और पोलैंड के रास्ते स्वदेश ला रहा है। यूक्रेन के शहर सूमी से ६०० छात्रों को निकालने का अभियान मंगलवार सुबह शुरू हुआ था।

पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना के आए 4194 नए मामले, 255 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में भारत में पिछले २४ घंटों में कोविड–१६ के ४,१६४ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,२६,८४,२६१ हो गई है। वहीं, २५५ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,१५,७१४ हो गई। फिलहाल, देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ४२,२१६ हो गई है। कोरोना वायरस संक्रमण से ६,२०८ लोग अब तक ठीक हो चुके हैं, जिसके बाद कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२४,२६,३२८ हो गया है।

कोविड–१६ से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर सुधरकर ६८.७० प्रतिशत हो गई है। संक्रमण की दैनिक दर ०.५२ प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ०.५५ प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं, इस दौरान मृत्यु दर १.२० प्रतिशत दर्ज की गई। देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक १७६.७२ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनादेश के पीछे का संकेत

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे सिर्फ यह तय करने तक सीमित नहीं है कि कहां कौन हारा और कौन जीता या किस राज्य में किसकी सरकार बनी या चली गई। इन नतीजों में देश की भावी राजनीति के अनेक संकेत छिपे हुए हैं। उत्तराखंड की 20 साल की राजनीति में यह पहली बार हुआ है जब किसी दल ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर सत्ता हासिल की हो, वही उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी 37 साल बाद ऐसा हुआ है जब जनता ने किसी दल को लगातार दूसरी बार सत्ता में बने रहने का जनादेश दिया हो। इन दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकार थी वह भी प्रचंड बहुमत वाली लेकिन जितने बड़े बहुमत के साथ भाजपा इन दोनों राज्यों में दोबारा सत्ता में आई है वह भाजपा की सर्व ग्राह्यता को बताने के लिए काफी है। अब उसकी राजनीति सिर्फ धर्म और आस्था पर आधारित न रहकर उससे आगे सबका साथ और सबका विकास की ओर कदम बढ़ा चुकी है। 7 साल केंद्रीय सत्ता में रहकर भाजपा ने अपनी डायरेक्ट बेनिफिट की तमाम योजनाओं के जरिए हर वर्ग को अपने साथ न सिर्फ जोड़ लिया है बल्कि यह हर तबके के लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है कि मोदी की सरकार उनके लिए कुछ न कुछ कर तो रही है पहली वाली किसी सरकारों ने तो किसी के लिए कुछ किया ही नहीं था। उत्तर प्रदेश में इस बार बसपा को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली है तथा कांग्रेस 2 सीटें जीत सकी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों दलों के नेताओं को यह जरूर सोचना चाहिए कि वह अब कैसे राष्ट्रीय दल हो गए हैं। 2007 में जिस बसपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल कर मायावती ने अपनी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई थी वह बीते दो दशक से शून्य हो जाती है। सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह और मायावती ने जिस जाति राजनीति के ध्रुवीकरण का किला तैयार कर सत्ता की सीढ़ियां चढ़ी थी वह किला अब पूरी तरह से नेस्ताबूत हो चुका है। इसका एहसास अब मायावती और अखिलेश यादव को हो चुका होगा जो विगत दो चुनावों में अपनी ताकत के सभी तीरों को आजमा चुके हैं। बीते कल प्रधानमंत्री ने चुनाव परिणाम के बाद देश में भ्रष्टाचार व परिवार वादी राजनीति पर बहुत कुछ ऐसा कहा कि जो किसी भी राजनीतिक दल को बहुत चुभने वाला हो सकता है लेकिन सच यही है कि राष्ट्र किसी परिवार से नहीं चलता और न राष्ट्र की राजनीति परिवारवाद से चलनी चाहिए। देश से लेकर तमाम राज्यों की राजनीति पर परिवार वादियों का कब्जा और काला पीला कुछ भी करने की प्रवृत्ति की राजनीति का अब अंत लाजमी हो गया है। कांग्रेस, सपा, बसपा ही नहीं अन्य तमाम दलों के नेताओं को अब इस पर गहन चिंतन मंथन की जरूरत है। धर्म जाति और परिवार वादी राजनीति अब अपने अंत की ओर बढ़ चली है। देश के तमाम राजनीतिक दलों को इस बात पर चिंतन करने की जरूरत है कि जिन लोगों ने अपने जीवन काल की सबसे बड़ी त्रासदी कोरोना के रूप में देखी हो मां गंगा में लाशों को तैरते और धधकते शमशान देखें, महंगाई का वह चरम देखें जब 50 रूपये किलो आलू और 100 रूपये लीटर पेट्रोल खरीदा। नोटबंदी का वह दौर देखा जब न जेब में नोट रहा न घर में आटा व दवाओं के पैसे, बेरोजगारी से हाहाकार मचा है। जीएसटी लोगों का दम निकाल रहा है। गरीब और गरीब हो रहा है फिर भी देश की जनता भाजपा को ही क्यों सत्ता में बनाए रखना चाहती है? विपक्षी दल जब तक इस सवाल का जवाब नहीं ढूंढ पाएगा तब तक वह कभी भाजपा को नहीं हरा पाएंगे। साथ ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के धमाकेदार जीत का रहस्य क्या है यह भी विपक्षी दलों के लिए चिंतनीय है।

रूस-यूक्रेन युद्धः खत्म होने की कगार पर लोकतंत्र

ब्रह्मदीप अलूने

आधुनिक दुनिया इस तथ्य को स्वीकार करती रही है की सभी प्रकार के राजनीतिक और सामाजिक संघर्षो का समाधान लोकतंत्र है, फिर चाहे वह साम्यवाद, लेनिनवाद, मार्क्सवाद, माओवाद, सर्वाधिकारवाद, कुलीनतावाद या अराजकतावाद की चुनौती ही क्यों न हो। द्वितीय विश्वयुद्द के बाद दुनिया में आज़ादी और मानवाधिकार की सुरक्षा के लिए लोकतंत्र को मजबूत करने को सबसे महत्वपूर्ण माना गया था।

लेकिन बदलते वैश्विक परिदृश्य में लोकतंत्र को बनाएं और बचाएं रखने को लेकर कोई तत्परता दिखाई नहीं देती और यह संकट गहराता जा रहा है। यूक्रेन संकट के उभार से एक बार फिर यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि संयुक्त राष्ट्र और पश्चिम के शक्तिशाली देश लोकतंत्र को खत्म होते देखने को इतने मजबूर क्यों है। साम्यवादी रूस के अधिनायकवादी पुतिन कई महीनों से पड़ोसी यूक्रेन को घेरकर वहां लोकतंत्र का गला घोंटने के लिए तैयारी कर रहे थे। पुतिन ने यूक्रेन को विध्वंस का ऐसा घाव दिया है जिससे यह राष्ट्र कई वर्षों तक नहीं उभर सकता। यूक्रेन को अमेरिका,यूरोपियन देशों और नाटों ने हथियारों से मदद देने की तो बात कहीं लेकिन इन सबमें पुतिन के सर्वसत्तावाद के सामने असहाय लोकतंत्र को बचाएं रखने की कोई कोशिश नजर नहीं आती। इन सबके बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जिलेंसकी अधिनायकवादी पुतिन के सामने लोकतांत्रिक हुंकार नहीं भरते तो उनका देश अपने अस्तित्व के संकट से संभवतः बच सकता था। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में लोकतांत्रिक विचारधाराओं से ज्यादा आर्थिक हितों पर तरजीह दी जा रही है,जहां बाज़ार के लिए नैतिकता दांव पर लगा दी गई है। फिर वह बाज़ार हथियारों का ही क्यों हो और इससे कोई राष्ट्र गृहयुद्द की स्थिति में ही क्यों न फंस जाए। खाड़ी के कई देश अस्थिरता का दंश भोगने को मजबूर हो गए है,वहीं अफगानिस्तान को तालिबान के हाथों में सौंपकर अमेरिकी और नाटों के सैनिकों के लौटने से दुनियाभर में लोकतंत्र को बचाएं रखने का एक आसन्न संकट खड़ा हो गया है।

द्वितीय विश्व युद्द के बाद उभरे शीतयुद्ध में लोकतंत्र और संपूर्ण सत्तावादी शासन पद्धति के बीच संघर्ष देखा गया,जिसमें साम्यवादी चुनौती को परास्त कर लोकतंत्र विजयी हुआ था। इससे आज़ादी और मानवाधिकार को मजबूती भी मिली। यह देखा गया है कि पिछले कुछ दशकों में रूस और चीन की वैश्विक कूटनीति में अमेरिका और पश्चिमी देश भी उलझ गए है और इससे लोकतंत्र को बचाएं रखने का संकट खड़ा हो गया है। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का यथार्थवादी दृष्टिकोण इस बात पर बल देता है की विदेश नीति सम्बन्धी निर्णय राष्ट्रीय हित के आधार पर किये जाने चाहिए,न की नैतिक सिद्धांतों और भावनात्मक मान्यताओं के आधार पर। महाशक्तियां इसका अक्षरशः पालन कर रही है, उनके लिए राष्ट्रीय हित सामरिक,सांस्कृतिक,धार्मिक और आर्थिक भी है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग महत्वकांक्षी योजना सीपीईसी को लेकर म्यांमार की लोकतांत्रिक सरकार ज्यादा उत्साहित नहीं थी जबकि चीन उस पर लगातार दबाव बना रहा था। चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग से म्यांमार के दो मुख्य आर्थिक केंद्रों को जोड़ने के लिए लगभग 1700 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाना है। म्यांमार से चीन तक तेल गैस पाइपलाइन की योजना भी काम कर रही है। बंगाल की खाड़ी में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ रहा है। चीन की पहुंच म्यांमार कॉरिडोर के माध्यम से हिंद महासागर तक हो जाने से भारत की सुरक्षा चिंताओं में भी इजाफा हुआ है जिसे समझकर सू की के नेतृत्व वाली सरकार चीन की भारत को घेरने की चीन की रणनीति को लगातार प्रभावित कर रही थी। चीन म्यांमार में सैन्य सरकार का सदा समर्थक रहा है जिससे वह बिना जनता के प्रतिरोध के इस देश में अपने सामरिक और आर्थिक हित पूरे कर सके। म्यांमार में प्राकृतिक गैस का भंडार भारी मात्रा में पाया जाता है। चीन कोको द्वीप पर अपना अड्डा स्थापित करने के साथ साथ धीरे धीरे म्यांमार को आर्थिक और सामरिक गिरफ्त में लेने का इच्छुक रहा है। चीन ने अपने हितों के लिए म्यांमार की लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंका और उसे सैनिक सरकार के हवाले कर दिया। इससे दुनिया बेखबर नहीं है लेकिन न तो संयुक्त राष्ट्र कुछ कर सका और न ही पश्चिमी दुनिया के कथित लोकतंत्र को पसंद करने वाले देश। म्यांमार के लोग सैनिक सरकार से लड़ रहे है,यह उनकी लोकतंत्र को बचाएं रखने की अंतिम कोशिश है जिसे कोई बाहरी और प्रभावी समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। संयुक्त राष्ट्र प्रतिबन्ध लगाता भी है तो इससे आम जनता की मुश्किलें ही बढ़ती है।

पिछले साल उत्तरी अफ्रीकी के देश टयूनेशिया के राष्ट्रपति कैस सैयद ने लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई हिचम मेकिची सरकार को बर्खास्त कर दिया और इसके बाद उन्होंने सड़कों पर लोगों के साथ जश्न भी मनाया। राष्ट्रपति का कहना था कि उन्होंने देश में शांति लाने के इरादे से ऐसा किया। करीब एक दशक पहले 2011 में अरबी राजशाहों व तानाशाहों से त्रस्त इस देश की जनता ने सड़कों पर शुरू हुए प्रदर्शन कर सत्ता को चुनौती दी थी। इसके बाद यह सत्ता विरोधी आंदोलन सूडान,अल्जीरिया,सीरिया और अन्य अरब के देशों में भी फ़ैल गए,इसे अरब स्प्रिंग कहा जाता है।

ट्यूनीशिया में हुई क्रांति ने देश में लोकतंत्र की राह बनाई थी। करीब सवा करोड़ की आबादी वाला ट्यूनीशिया उदार इस्लामिक राष्ट्र है जिसे अफ्रीका का यूरोप कहा जाता है। यह भूमध्यसागर के किनारे स्थित खूबसूरत देश जिसके पूर्व में लीबिया और पश्चिम मे अल्जीरिया हैं। लीबिया और अल्जीरिया गृहयुद्द से जूझ ही रहे है और ट्यूनीशिया में भी राजनीतिक अस्थायित्व कायम हो गया।

बहरहाल रूस के पुतिन, चीन के जिनपिंग, ईरान के इब्राहिम रईसी, उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग सहित दुनिया के कई देशों में शीर्ष राजनीतिक स्तर से सर्वसत्तावाद प्रभावी ढंग से स्थापित करने की कोशिशें बदस्तूर जारी है,इस प्रकार की शासन व्यवस्था में नीतियों, साधनों,कार्यों और दृष्टिकोण से प्रजातांत्रिक व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत व्यवहार और कार्य किए जाते है। इससे उनके पड़ोसी लोकतांत्रिक देश बूरी तरह से प्रभावित हो रहे है। अफ़सोस सर्वसत्तावादी ताकतें अनियंत्रित होकर प्रभावशाली है और यह लोकतंत्र के कमजोर पड़ने के संकेत है।

राज्य में एक हजार से कम मतों से जीतने वाले प्रत्याशी ...

अल्मोडा से कांग्रेस के
मनोज तिवारी (141)

द्वाराहाट से कांग्रेस के
मदन बिष्ट (366)

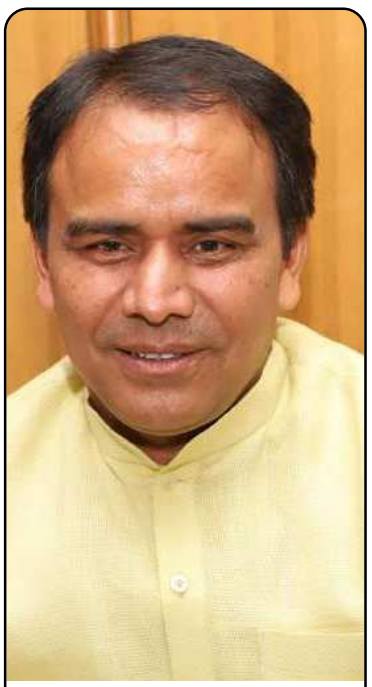

श्रीनगर से भाजपा के
धनसिंह रावत (587)

मंगलोर से बसपा के
सरबत करीम अंसारी (751)

टिहरी से भाजपा के
किशोर उपाध्याय (951)

भाजपा ने पौड़ी में जीत दर्ज कर दोहराया इतिहास

पौड़ी (आरएनएस)। जिले की छह विधानसभा सीटों पर लगातार दूसरी बार बीजेपी ने सभी सीटों पर जीत दर्ज कर एक बार फिर से इतिहास दोहराया है। साल २०१७ के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। २०१७ के विधानसभा चुनाव में मोदी लहर के चलते भाजपा ने जिले की सभी छह सीटों पर भगवा परचम लहराया था। साथ ही प्रदेश में पहली बार ५७ सीटें जीतकर भारी बहुमत से सरकार बनाई थी। पौड़ी जिले में यह दूसरा मौका है जब भाजपा ने लगातार दूसरी बार सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की है। पौड़ी, यमकेश्वर और कोटद्वार सीट पर इस बार बीजेपी ने अपने प्रत्याशियों के चेहरे भी बदले थे। यमकेश्वर और पौड़ी में पार्टी के सिटिंग विधायकों के टिकट काटकर नए चेहरों पर दाव खेला था। जबकि श्रीनगर, चौबट्टाखाल और लैंसडौन विधानसभा सीटों पर पार्टी ने पुराने चेहरों को ही मैदान में उतारा था। बीजेपी ने यमकेश्वर से ऋतु खडूड़ी की जगह रेनू बिष्ट और पौड़ी से सिटिंग विधायक मुकेश कोली का टिकट काटकर राजकुमार पोरी को मैदान में उतारा था। वहीं, कांग्रेस ने भी जिले की लैंसडौन, चौबट्टाखाल सीट पर प्रत्याशी बदले। बावजूद कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई। कांग्रेस ने इस बार लैंसडौन से कांग्रेस के दावेदारों को नकारते हुए कैबिनेट मंत्री डा.हरक सिंह रावत की बहु अनुकृति गुसाईं रावत को मैदान में उतारा था। लेकिन लैंसडौन सीट से अपनी राजनीति की शुरुआत करने वाली डा.हरक सिंह रावत की बहु अनुकृति गुसाईं रावत जीत दर्ज नहीं कर पाई।

सीयूसीईटी की प्रवेश परीक्षा के लिए टीमें गठित

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि ने आगामी सत्र से यूजी एवं पीजी कक्षाओं में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी(एनटीए) द्वारा संपन्न कराई जाने वाली सीयूसीईटी की प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रशासनिक एवं तकनीकी टीम गठित कर दी हैं। इस संदर्भ में कुलसचिव डा.अजय कुमार खंडूड़ी की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिसमें प्रशासनिक टीम में रमेश चंद्र सिंह राणा, डा. मुकुल पंत, डा.गंभीर कठैत, डा. अरविंद कुमार, बद्रीश प्रसाद व तकनीकी टीम में प्रो. एमएमएस रौथाण, प्रदीप मल्ल, प्रदीप रावत व देवेंद्र सिंह नयाल को शामिल किया गया है। उपरोक्त समस्त अधिकारी कर्मचारी सीयूसीईटी के नोडल अधिकारी प्रो.अनिल कुमार नौटियाल के दिशा–निर्देशन में कार्य संपन्न करेंगे।

एरियर और नकदीकरण का भुगतान करने की मांग

कोटद्वार (आरएनएस)। साधन सहकारी समितियों के सेवानिवृत्त कैडर सचिवों ने विभाग से ग्रेड–पे एरियर और नकदीकरण के भुगतान की मांग की है। साधन सहकारी समितियों के सेवानिवृत्त कैडर सचिव गोविंद सिंह नेगी एवं जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि कई वर्षों की सेवा के बाद वे कैडर सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, लेकिन उन्हें अपने ग्रेड–पे के एरियर और नकदीकरण के भुगतान के लिए विभाग के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। बताया कि इस संबंध में उन्होंने पिछले दिनों जिला सहायक निबंधक को ज्ञापन सौंपा था। जिसमें चेतावनी दी गई है कि मामले में १५ मार्च तक भुगतान की प्रतीक्षा की जाएगी। इसके बाद जिला सहकारी बैंक गढ़वाल के कोटद्वार स्थित मुख्यालय में आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

पौड़ी सीट पर प्रत्याशी बदलना भाजपा का फायदेमंद सौदा

पौड़ी (आरएनएस)। पौड़ी विधानसभा सीट पर भाजपा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की। इस सीट पर बीजेपी ने निर्वतमान विधायक का टिकट काटते हुए राजकुमार पोरी को मैदान में उतारा था। राजकुमार पोरी को टिकट देने का फैसला पार्टी के हित में रहा और उन्होंने बड़े अंतर से पौड़ी विधानसभा सीट भाजपा के पक्ष में डाली। पौड़ी आरक्षित विधानसभा सीट से इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने निर्वतमान विधायक मुकेश कोली का टिकट काट दिया था। मुकेश कोली पर उनके ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने अनदेखी करने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही मुकेश कोली का विभिन्न गांवों में भ्रमण के दौरान विरोध हुआ था। जिस पर भाजपा ने पौड़ी सीट से मुकेश कोली का टिकट काटकर राजकुमार पोरी को टिकट दिया था। राजकुमार पोरी पिछले लंबे समय से पौड़ी आरक्षित सीट से चुनाव की तैयारी कर रहे थे और लगातार दो साल तक उनको टिकट नहीं मिल पाया था। इस बार के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन पर विश्वास करते हुए उन्हें मैदान में उतारा था। जबकि कांग्रेस ने इस बार के विधानसभा चुनाव में भी नवल किशोर को ही मैदान में उतारा था। नवलकिशोर साल २०१७ के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़े थे और करीब ७ हजार वोटों से हारे थे। नवलकिशोर लगातार दूसरी बार कांग्रेस के टिकट से पौड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े लेकिन जीत नहीं पाए।

भाजपा प्रदेश मंत्री मंडल में पंजाबी समाज को प्रतिनिधित्व देने की माँग

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के चुनाव का नतीजा देवभूमि में रहने वाली जनता का प्रधानमंत्री मोदी के विकासपूरक कार्यों, व लाभार्थी योजनाओं को सभी तक पहुँचना तथा देवभूमि के लिये उनका विशेष प्यार व सम्मान रहा है। यही कारण है कि जनता ने भाजपा को चुन कर अपना विश्वास दिखाया गया है। यह जीत पूर्णत: प्रधानमंत्री मोदी की नीतियो को नमन है।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने प्रदेश में समाज के जीते विधायक शिव अरोरा, तिलक राज बेहढ़, स. त्रिलोक सिंह चीमा, सविता कपूर, प्रदीप बत्रा व उमेश शर्मा काऊ को बधाई दी व पंजाबी समाज को सभी सीटों से अपने समाज को विजयी बनाने व मोदी के उत्तराखंड को विकास के लिये दिये मंत्र का समर्थन देने के लिये आभार प्रकट किया।

आज शिव अरोरा को बधाई देने के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजीव घई ने सभी को बधाई देते हुए प्रेस से वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखंड की जनता ने इस चुनाव के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है की केन्द्र की नीतियो का धरातल तक बिना किसी स्वार्थ के पहुँचाना प्रदेश की जनता की प्राथमिकता है। मोदी द्वारा दिये मार्ग दर्शन "सब का साथ सब का विश्वास सब का विकास" को मात्र नारा मानने वालों को स्पष्ट संदेश दिया गया है की नेतृत्व को प्रदेश का विकास स्वार्थ में नही मोदी द्वारा दिये गये संदेश अनुसार ही करना होगा। उन्होने कहा कि हम सबकी नजरें नये मंत्री मंडल पर है कि वो किस तरह जनमानस द्वारा दिये गये चुनाव में संदेश का सम्मान रख उत्तराखंड को स्वच्छ एवं उन्मुख सरकार देंगे।

पंजाबी समाज ने पुन: भाजपा को अपना पूर्ण समर्थन दिया पाँच में से पाँच विधानसभा सीटों पर विजयी हो कर व अन्य सभी सीटों पर भाजपा को जिताने में सहयोग दिया। समाज जो पिछली सरकार में समाज के साथ किये गये सोतेले व्यवहार से आहत है इस बार समाज को साथ ले कर चलने की माँग करता है। उन्होने कहा कि हमें पूर्ण उम्मीद है की आप मंत्री मंडल में कुमाऊँ व गढ़वाल के पंजाबी विधायक को प्रतिनिधित्व दे कर समाज को सम्मान प्रदान करेंगे। एस.पी. कोचर सरप्रस्थ ,डी .एस.मान सरप्रस्थ, हरपाल सिंह सेठी सरप्रस्थ, जी. एस. आनंद प्रदेश संगठन मंत्री व गढ़वाल प्रभारी, बलदेव जैसवाल जिला प्रभारी, अमरजीत सिंह कुक्रेजा महानगर अध्यक्ष, गुरुपाल् सिंह और गुरमीत सिंह जैस्वाल युवा अध्यक्ष, बबिता सोहत्रा आनंद इत्यिादि मौजूद रहै।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने नालापानी रोड पर एक दुपहिया वाहन चालक को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख वापस मुडकर भागने लगा तो पुलिस ने पीछा कर उसको पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम जनक पुत्र मेंघनाथ निवासी नालापानी गांव बताया। वहीं कोतवाली कैण्ट पुलिस ने मॉल रोड से एक युवक को 54 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम राहुल उर्फ इण्डिया पुत्र रंजीत निवासी श्रीदेव सुमन नगर बताया।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बेस अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट की सेवाएं शुरु

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के टीचिंग बेस अस्पताल में बृहस्पतिवार से हृदय रोग सबंधी ओपीडी सेवा शुरू हो गई है। दून मेडिकल कॉलेज के कार्डियोलॉजिस्ट डा.अमर उपाध्याय यहां हर महीने के दूसरे सप्ताह बृहस्पतिवार को ओपीडी संचालित करेंगे। कार्डियोलॉजी सेवाओं के पहले दिन चार रोगियों ने अपनी जांच कराई। पहाड़ के रूद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी व टिहरी जिले के हृदय रोगियों को बेस अस्पताल में सेवाएं देने के लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से प्रयास किया जा रहा है। जिसके तहत पहले चरण में महीने के दूसरे बृहस्पतिवार को दून के कार्डियोलॉजिस्ट यहां आकर हृदय रोगों की जांच करेंगे। साथ ही हर सप्ताह मेडिसिन विभाग के डॉक्टर भी हृदय रोग सबंधी जांच कर कार्डियोलॉजिस्ट से परामर्श के बाद उपचार दे सकेंगे। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. सीएमएस रावत ने बताया कि बृहस्पतिवार से बेस अस्पताल में हृदय रोगियों के लिए ओपीडी सेवा शुरू कर दी गई है। फिलहाल महीने के दूसरे सप्ताह ही दून मेडिकल कॉलेज से यहां आकर ओपीडी संचालित करेंगे।

राइंका कीर्तिनगर का एनएसएस शिविर शुरु

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। राइंका कीर्तिनगर की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रमेश चंद्र उप्रेती ने स्वयंसेवियों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य परशुराम सेमवाल ने स्वयं सेवियों को शिविर के दौरान बेहतर कार्य करने को कहा। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी चतर सिंह लिंगवाल, कमलेश चंद्र जोशी, मनोज कुमार, बीना रावत, बीपी भट्ट, सुचिता सेमवाल, राजेंद्र रावत, प्रकाश भंडारी, वीर विक्रम सिंह रावत, संदीप मैठाणी, ओपी भट्ट, मंजू आदि मौजूद रहे।

यातायात के नियम तो पता है लेकिन उस पर चलने को कोई तैयार नहीं

संवाददाता

देहरादून। शहर में लोगों को यातायात के नियमों का तो ज्ञान है लेकिन उसपर चलने को कोई तैयार ही नहीं होता वहीं पुलिस प्रशासन भी सख्ती करने में परहेज रखे हुए है। यही कारण है कि दुघर्टनाओं में बढोत्तरी हो रही है।

यह बात नहीं है कि दून में किसी को यातायात के नियमों के बारे में कुछ पता ना हो। शिक्षित शहर होने के कारण यहां की जनता जागरूक है लेकिन जब वह सडक पर चलती है तो नियमों को ताक पर रख दिया जाता है। जिसकी जैसी मर्जी होती है वह वैसे ही अपने वाहन को तेजी से भगाता है। यहां यह बात देखने को मिलती है कि जिसको राईट साइड जाना होता है वह लैफ्ट में अपना वाहन खडा कर देता है और जैसे ही लालबत्ती जली तो वह राइट की तरफ चलना शुरू हो जाता है जिससे वहां पर जाम की स्थिति बन जाती है। वहां पर खडा यातायात पुलिस का सिपाही भी इस तरफ ध्यान नहीं देता कि वह उस को सीधे चलने के लिए कहकर यातायात को सुचारू करे। पुलिस की यही लापरवाही ही लोगों के लिए मुसीबत बन जाता है। यातायात के नियमों का सबको पता है कि कहां वाहन खडा करना है और कहां नहीं करना है लेकिन सबकों अपनी सुविधा चाहिए उसके लिए चाहे किसी को परेशानी हो रही है उससे उसको कोई मतलब नहीं है।

अगर यातायात के नियमों का पता नहीं है तो फिर दिल्ली जाते समय मोहननगर से ही सीट ब्लैट क्यों पहन लेते हैं। क्योंकि उनको पता होता है कि दिल्ली में यातायात पुलिस कोई बहाना नहीं सुनेगी और सीधे चालान कर दिया जायेगा। यह होता है डर। हमारे यहां पुलिस प्रशासन इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता। अगर कोई बडी गाडी में है तो उसकी तरफ आंखे मूंद ली जाती है और कोई दुपहिया वाहन में है तो उसका चालान कट जाता है। यहां पुलिस प्रशासन भी अपनी सुविधा के अनुसार चलता है। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को अगर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू करना है तो चौराहों पर लाल बत्तियां लगाने से यातायात सुचारू नहीं होगा उसके लिए कुछ नियम भी कडे करने होंगे तथा चौराहे पर खडे सिपाही को भी इसके बारे में बताना होगा कि जो व्यक्ति गलत खडा है तो उसकी गलती को सुधारने के लिए उसको सीधा चलने के लिए कहे नहीं तो वहीं खडे-खडे उसका चालान काट दिया जाये जिससे कि वह अगली बार गलती करने से बचेगा। लेकिन जब किसी को उसकी गलती का अहसास ही नहीं दिलाया जायेगा तो वह तो रोज गलती करेगा जिससे दुघर्टनाओ की भी सम्भावनाएं बढेंगी और पुलिस प्रशासन के लिए भी यह गलतियां सिरदर्द बनेगी जिसको देखते हुए एक बार पुलिस अधिकारियों को इस पर मंथन करना होगा।

इन घरेलू उपायों को अपनाने से खोल सकते हैं बंद गला, दूर होती है खराश

इन दिनों जाती हुई सर्दी है, जो स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा हानिकारक मानी जाती है। बदलते मौसम के कारण कई लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इन बीमारियों को चिकित्सकों की भाषा में मौसमी बीमारियाँ कहा जाता है। मौसमी बीमारियों में सबसे ज्यादा परेशानी गले की बीमारी से होती है। अक्सर देखा गया है कि इस मौसम में कई लोगों को गले में जकडऩ की समस्या होने लगती हैं जो बेहद असहज स्थिति पैदा करती है। इस परेशानी में व्यक्ति को खाने-पीने में दिक्कत होने के साथ ही बोलने में भी रुकावट का सामना करना पड़ता है।

यदि आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो नीचे बताए जा रहे घरेलू उपायों को अपनाकर आप इससे मुक्ति पा सकते हैं...

गले की जकडऩ को दूर करने के लिए यह सबसे सरल और कारगर उपाय है। आप सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर उसके गरारे करें। साथ ही इस पानी से गले के आसपास सिंकाई भी की जा सकती है। इससे आपको काफी आराम मिलेगा। इससे आपको काफी जल्द जकडऩ से राहत मिल सकती है।

आपने एक नाम सुना होगा सेब का सिरका और इसका इस्तेमाल भी कई बार किया होगा। खूबसूरती को बढ़ाने में एप्पल साइडर विनेगर बहुत काम आता है। मौसम में बदलाव होने से या ठंडी गरम चीजें खा लेने से गले में खराश होना एक आम समस्या है। एक सुखदायक प्रभाव देने से लेकर खराश वाले गले और खाँसी से लडऩे के लिए एप्पल साइडर विनेगर जादुई साबित होता है। आप शहद के साथ सेब का सिरका ले सकते हैं या फिर रात में सोने से पहले एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच सेब का सिरका डालकर पियें। या फिर गुनगुने पानी के साथ मिलाकर गरारे कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण गले की खराश से जल्दी आराम दिलाते हैं।

गले में जकडऩ होने पर आप तुलसी का पानी पी सकते हैं। इसके अलावा तुलसी की चाय भी आपके लिए लाभकारी हो सकती है। तुलसी की चाय को तैयार करने के लिए 1 कप पानी लें। इसमें 4-5 तुलसी की पत्तियां डाल दें। तुलसी की चाय का सेवन करने से गले की खराश, जकडऩ और दर्द दूर होता है।

अब विक्रम भट्ट ने पेश की स्पाई थ्रिलर अनामिका

पर्दे पर किसी खुफिया एजेंट को छल-कपट करते देखना हमेशा ही रोमांचक होता है, जहां दर्शक उस एजेंट के मंसूबों, उसके असली चेहरों और हर उस चीज पर प्रश्न उठाते हैं, जो उसे मुश्किल परिस्थितियों में भी बनाए रखती है। दर्शकों के लिए ऐसी ही एक रोमांचक, दिलचस्प और मनोरंजक स्पाई थ्रिलर पेश करते हुए एमएक्स प्लेयर 10 मार्च से 'अनामिका' स्ट्रीम करने जा रहा है, जिसे मुफ्त में भी देख सकते है। इस सीरीज़ का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है और इसमें सनी लियोन लीड रोल में नज़र आने वाली है। 8 एपिसोड की इस गन-फू एक्शन सीरीज़ में समीर सोनी, सोनाली सहगल, राहुल देव, शहज़ाद शेख और अयाज़ खान ने भी अहम् भूमिकाएं निभाई हैं। इस रोमांचक मूवी में एक बहुत होशियार एजेंट की तलाश में कई लोग लगे हुए है, जो कथित रूप से गलत राह पर निकल चुकी है।

अनामिका एक ऐसी औरत है, जो अपनी याददाश्त खो चुकी है और उसे अपनी जिंदगी के बारे में कुछ भी याद नहीं रहता। उसे याद है तो बस इतना कि 3 वर्ष पहले डॉ प्रशांत ने एक भयानक दुर्घटना से उसे बचाया था और उसे न सिर्फ अपने घर और अपने दिल में स्थान दिया था, बल्कि उसे एक नाम भी दिया था! अपने भूले हुए अतीत का कोई जवाब नहीं मिलने पर अनामिका अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का निर्णय कर रही है और एक डॉक्टर से विवाह कर लेती है। लेकिन कोई भी उसके बारे में असली सच नहीं जान पाया है।

क्या अनामिका इन ताकतवर लोगों से खुद को बचा पाएगी? अब समय आ गया है कि अनामिका अपने अतीत से लड़े लेकिन जहां वो एक के बाद एक पहेलियां सुलझाती है, वहीं ये साफ हो जाता है, यह उन पहेलियों के अंत की शुरुआत है। इस सीरीज़ की रिलीज को लेकर सनी लियोन ने कहा है कि, एक्शन एक ऐसा जॉनर है, जिसमें मैंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाए और जब मैंने अनामिका की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं बहुत टैलेंटेड विक्रम भट्ट के मार्गदर्शन में इस दमदार किरदार को निभाने को लेकर बहुत ही ज्यादा हैरान भी थी और उत्साहित भी! जिस तरह से मुझे अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग दी गई और सभी कलाकारों के मध्य एक तालमेल रहा है, यह बहुत बढ़िया अनुभव था। अब मुझसे यह देखने के लिए इंतजार नहीं होता कि दर्शक इस सीरीज़ पर क्या प्रतिक्रिया देंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सिर्फ खाने में नहीं, कई छोटे-बड़े कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है लौंग

चाय से लेकर बिरयानी तक में अगर एक से दो लौंग डाल दी जाए तो उनका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने का जायका बढ़ाने के अलावा लौंग का इस्तेमाल अन्य कई कामों के लिए किया जा सकता है। आइए आज हम आपको लौंग से जुड़े कुछ ऐसे बेहतरीन हैक्स के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आप यकीनन हैरान रह जाएंगे, तो चलिए फिर एक नजर डालते हैं।

घर से दूर भाग जाएंगे कॉकरोच

लौंग की महक बहुत तीखी होती है। हालांकि, इंसानों पर इसका कोई असर नहीं होता है लेकिन इसकी सुगंध कॉकरोच भगाने के लिए काफी है। घर के जिस कोने में भी कॉकरोच हैं, वहां लौंग की कलियां डाल दें। ऐसा करने से कॉकरोच उस जगह से भाग जाएंगे। हालांकि, अगर आपके घर में कॉकरोच का प्रकोप ज्यादा है तो पहले लौंग को पीसें, फिर इसके पाउडर घर में बिखेर दें।

रूम फ्रेशनर बनाएं

कई लोग अपने घर को महकाने के लिए तरह-तरह के रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ये रूम फ्रेशनर काफी महंगे होते हैं और इनकी आर्टिफीशियल खुशबू स्वास्थ्य के हानिकारक भी साबित हो सकती है। ऐसे में आप लौंग से एक सस्ता और सुरक्षित रूम फ्रेशनर बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप आवश्यकतानुसार लौंग के पाउडर में थोडा लैवेंडर ऑयल मिलाकर घर के सभी कोने में थोड़ा-थोड़ा रख दें। इससे आपका घर खुशबू से महक उठेगा।

कट वाले घाव जल्द भरे

अगर चाकू से आपके हाथ या पैर पर हल्का कट लग जाता है तो इस घाव को जल्द ठीक करने के लिए आप लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस घाव वाली जगह पर लौंग का पाउडर लगाकर छोड़ दें। ऐसा कुछ दिन लगातार करें। लौंग में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-सेप्टिक और एनाल्जेसिक (दर्द-निवारक) गुण मौजूद होते हैं। ये सभी गुण कटने के कारण होने वाले दर्द और जलन से राहत दिलाकर घाव भरने में मदद कर सकते हैं।

सामान्य समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

जब भी आपको गले में खराश, सर्दी या फिर जुकाम जैसी समस्याएं हो तो इनसे राहत पाने के लिए भी आप लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, लौंग में एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करके इन समस्याओं से जल्द राहत दिलाने में मदद कर सकता है। समस्याओं से राहत पाने के लिए एक चुटकी लौंग पाउडर के साथ आधी चम्मच शहद मिलाकर खाएं। ऐसा समस्या होने पर दिन में दो बार करें।

पोन्नियिन सेलवन-1 का इंतजार खत्म, इस तारीख को होगा प्रदर्शन

हिन्दी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्माता निर्देशकों में शामिल मणिरत्नम पिछले कुछ समय से अपनी अगली फिल्म पोन्नियिन सेलवन के निर्माण को लेकर चर्चाओं में रह रहे हैं। उनकी यह फिल्म 10वीं सदी पर आधारित पीरियड ड्रामा है जिसे बहुत बड़े बजट में बनाया गया है। इस फिल्म के जरिये हिन्दी फिल्मों की जानी मानी अदाकार ऐश्वर्या राय बच्चन सिनेमाई परदे पर वापसी करने जा रही हैं। मणिरत्नम की पीरियड ड्रामा पोन्नियिन सेलवन के निर्माताओं ने फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया है। 10वीं सदी पर आधारित इस फिल्म में कलाकारों की टुकड़ी है जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन, विक्रम, कार्थी, जयम रवि, त्रिशा, सरथकुमार, रहमान और ऐश्वर्या लक्ष्मी मुख्य भूमिकाओं में हैं। पोन्नियिन सेलवन पार्ट 1, 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पोन्नियिन सेलवन कल्कि कृष्णमूर्ति द्वारा लिखे गए इसी नाम के तमिल उपन्यास पर आधारित है। यह अरुलमोझी वर्मन और चोल वंश की कहानी बताता है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, फिल्म यह दिखाएगी कि कैसे चोल वंश सबसे शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में उभरा। पोन्नियिन सेलवन का संगीत एआर रहमान ने दिया है, जबकि पटकथा मणिरत्नम, एलंगो कुमारवेल और बी जयमोहन ने लिखी है। पीरियड ड्रामा संयुक्त रूप से लाइका प्रोडक्शंस और मद्रास टॉकीज द्वारा निर्मित है।

पोन्नियिन सेलवन को मणिरत्नम की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक माना जाता है, पोन्नियिन सेलवन आखिरकार 30 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में ऐश्वर्या राय बच्चन नंदिनी के रूप में, विक्रम आदित्य करिकालन के रूप में, जयम रवि अरुलमोझी वर्मन, कार्थी के रूप में दिखाई देंगे। वंधियाथेवन के रूप में और तृषा कुंडवई के रूप में शानदार दिखती हैं।

शब्द सामर्थ्य -63

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

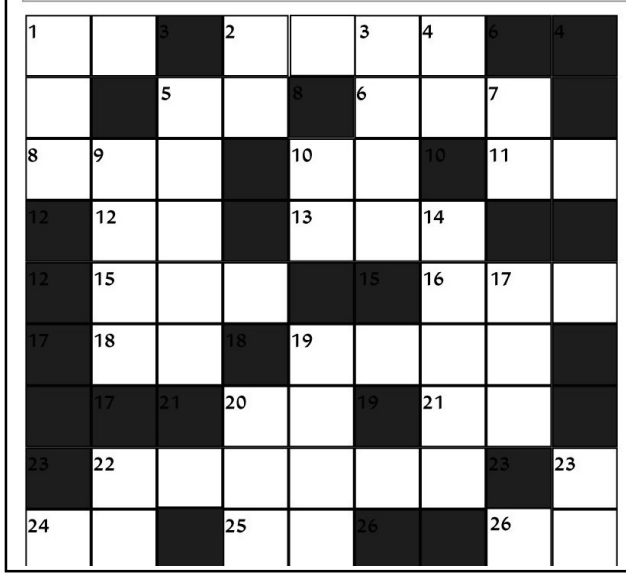

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

मैं कभी अच्छी अदाकारा नहीं थी: अंकिता लोखंडे

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने बताया कि 2009 में अपनी शुरूआत के बाद से वह एक एक्टर के रूप में कैसे विकसित हुई हैं। अंकिता, जो आज टीवी शो से अर्चना के रूप में अपने सहज प्रदर्शन के कारण एक घरेलू नाम है, उन्होंने महसूस किया कि वह कभी भी एक अच्छी अभिनेत्री नहीं थी, लेकिन उसने सेट पर सीखा और फिल्म की शूटिंग के दौरान शिल्प का अधिक ज्ञान प्राप्त किया। 2009 से एक अभिनेत्री के रूप में वह कैसे विकसित हुईं, इस बारे में बात करते हुए, अंकिता ने कहा कि पवित्र रिश्ता ने मुझे बहुत सी चीजें सिखाई हैं कि मैं बाहर जाकर अलग-अलग तरह की ला कर सकती हूं। टेलीविजन आपको खुद बहुत कुछ सिखाता है। यदि आपने टेलीविजन किया है तो आप कुछ भी कर सकते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इसलिए जब मैंने पवित्र रिश्ता के बाद मणिकर्णिका की तो मैंने और चीजें सीखीं यह सीखने की एक प्रक्रिया है जो कभी नहीं रुक सकती। सीजन 2 मानव-अर्चना के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिसे शहीर शेख और अंकिता ने निभाया है। यह शो पहली बार 2009 में टेलीविजन पर प्रसारित हुआ था। इसमें मानव के रूप में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने भी अभिनय किया था। यह 2020 में डिजिटल हो गया।

ऐश्वर्या राजेश की काना 18 मार्च को चीन में रिलीज होगी

निर्देशक अरुणराज कामराज की महिला केंद्रित खेल फिल्म काना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, चीन में 18 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म को समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक सफलता मिली थी। इसका निर्माण अभिनेता शिवकार्तिकेयन के शिवकार्तिकेयन प्रोडक्शंस द्वारा किया गया था।

अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। ट्विटर पर, उन्होंने कहा, यह घोषणा करते हुए रोमांचित और प्रसन्नता हो रही है कि मेरी पसंदीदा काना में से एक, 18 मार्च को चीन में रिलीज होगी। इंस्टाग्राम पर, अभिनेत्री ने कहा, अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। काना के सभी प्यार और सफलता के लिए धन्यवाद। अवसर के लिए अरुणराज कामराज, शिवकार्तिकेयन को धन्यवाद। काना एक महत्वाकांक्षी महिला क्रिकेटर के रूप में ऐश्वर्या राजेश के चरित्र के इर्द-गिर्द घूमती है, चीन में रिलीज होने वाली कुछ तमिल फिल्मों में से एक है।

सिद्धू जोन्नालगड्डा और नेहा शेट्टी-स्टारर डीजे टिल्लू को अस्थायी ओटीटी रिलीज मिली

12 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म डीजे टिल्लू अब अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। डीजे टिल्लू के निर्माताओं ने उसी के बारे में एक घोषणा करने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। ओटीटी रिलीज की घोषणा के बावजूद, निर्माताओं ने एक सटीक तारीख जारी नहीं की है। ओटीटी रिलीज की घोषणा करते हुए, तेलुगु ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा ने लिखा, कमिंग सून। खबर है कि मेकर्स मार्च में कभी भी फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि फिल्म अभी भी कुछ सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। सूत्रों की माने तो फिल्म 10 मार्च को अहा वीडियो पर आएगी। सिद्धू जोन्नालगड्डा और नेहा शेट्टी अभिनीत, डीजे टिल्लू ने केंद्रों से अच्छी समीक्षाओं के साथ, शानदार नाटकीय राजस्व दर्ज किया। डीजे टिल्लू का निर्देशन विमल कृष्णा ने किया है और यह नए जमाने की कहानी के साथ एक उचित कॉमेडी एंटरटेनर है।

श्रुति राव को मिली फिल्म अफसर बिटिया

बालीवुड एक्ट्रेस श्रुति राव निर्माता प्रदीप के शर्मा की नई फिल्म हाथ लगी है।उस मूवी का नाम 'अफसर बिटिया' है। इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। शोमैन प्रदीप अपने नए कांसेप्ट को लेकर जाने जाते हैं।भोजपुरी सिनेमा में शोमैन की छवि बना चुके निर्माता प्रदीप के शर्मा को प्रयोगधर्मी फिल्म मेकर के तौर पर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री जाना जाता हैं, तभी वो आए दिन अपनी फिल्मों में नए कांसेप्ट को लेकर आते हैं।अब एक बार फिर से वो ऐसा ही कुछ कर रहे हैं।

अपनी आगामी भोजपुरी फिल्म को लेकर जिसका नाम है 'अफसर बिटिया'।फिल्म का मुहूर्त कर शूटिंग शुरू कर दी गई है।ये जानकारी खुद प्रदीप के शर्मा ने दी.प्रदीप के शर्मा ने बताया कि अफसर बिटिया' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग और नई होगी।ये एक महिला प्रधान फिल्म होने वाली है, जिसमें श्रुति राव एक सशक्त भूमिका में नजर आने वाली हैं।हमने फिल्म की कास्टिंग एक सार्थक बदलाव के साथ पटकथा के अनुसार की है।मैं हर बार ऐसी फिल्मों का निर्माण करने की कोशिश करता हूं, जिससे भोजपुरी सिनेमा स्तर और ऊपर उठे.' उन्होंने आगे कहा कि 'इस इंडस्ट्री की चर्चाएं दूसरी इंडस्ट्रियों की तरह हर जगह पर हो। मैंने जो सिनेमा बनाया हैं उसमें 'डमरू', 'राजतिलक', 'लिट्टी चोखा' जैसी मेरी फिल्में हैं, जिसे मैंने हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रख कर बनाया है।ये सारी फिल्में एक दूसरे से अलग और नायाब थी।अब 'आशिकी' और 'सबका बाप अंगूठा छाप' आने वाली है।

फिल्म मिरांडा बॉयज से बाहर हुई मौनी रॉय ?

पिछली बार फिल्म वेल्ले में नजर आईं अभिनेत्री मौनी रॉय हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी के बंधन में बंधी हैं। शादी से पहले मौनी का नाम एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मिरांडा बॉयज से जुड़ा था। इस फिल्म का निर्देशन संजय गुप्ता कर रहे हैं। फिल्म में मौनी को साइन कर लिया गया था, लेकिन अब खबर है कि उन्हें इससे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मौनी को मिरांडा बॉयज से बाहर कर दिया गया है। संजय गुप्ता ने फिल्म के लिए मौनी को कास्ट कर दिया था, लेकिन अब उन्हें मौनी के साथ फिल्म में हर्षवर्धन राणे की जोड़ी जम नहीं रही है। लिहाजा अब फिल्म के लिए उनकी जगह दूसरी अभिनेत्री की तलाश चल रही है। हालांकि, इस बारे में मौनी को जानकारी नहीं दी गई है। उन्हें बिना बताए फिल्म से रिप्लेस करने की तैयारी चल रही है।

मिरांडा बॉयज की कहानी फुटबॉल पर आधारित है। फिल्म में हर्षवर्धन के अलावा अभिनेता मीजान जाफरी भी नजर आएंगे। दोनों स्पोर्ट्समैन के अवतार में दिखेंगे। मीजान पहले से ही सेलेब्रिटी फुटबॉल क्लब का हिस्सा हैं और हर्षवर्धन आजकल रोज अपने कोच के साथ फुटबॉल की प्रैक्टिस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग गोवा में मार्च से शुरू करने की योजना है। यह जॉनर संजय गुप्ता के साथ-साथ इस फिल्म के दोनों कलाकारों के लिए भी नया है।

संजय गुप्ता इस फिल्म के जरिए एक नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में कई फिल्में बनाईं, लेकिन कभी किसी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का निर्देशन नहीं किया, इसलिए वह इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। संजय इस फिल्म के निर्माता भी हैं।

संजय गुप्ता मुंबई की मशहूर बार डांसर स्वीटी के जीवन पर भी फिल्म बना रहे हैं। स्वीटी मुंबई की सबसे महंगी स्टार बार डांसर हुआ करती थीं। स्वीटी वहीं हैं, जिन्होंने अपना सेक्स चेंज करवाया था और आदमी से औरत बन गई थीं। कांटे, शूटआउट सीरीज और मुंबई सागा जैसी अपराध जगत व गैंगस्टर की दुनिया को दर्शाने वाली एक्शन फिल्मों के लिए मशहूर संजय सुपरहीरो फिल्म रक्षक और शूटआउट एट बायकुला भी लेकर आ रहे हैं।

मौनी ने बीती 27 जनवरी को गोवा में परिवारवालों और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सूरज नांबियार से शादी रचाई थी। इसके बाद दोनों हनीमून मनाने कश्मीर गए। मौनी और सूरज पहली बार 2019 में दुबई में मिले थे। तीन साल बाद उन्होंने शादी का फैसला किया। सूरज का जन्म कर्नाटक के बेंगलुरु में जैन परिवार में हुआ था। वह एक बिजनेसमैन हैं। इस समय मौनी एक डांस रियलिटी शो डांस इंडिया लिटिल मास्टर को जज कर रही हैं।

शिबानी दांडेकर के साथ मेरा फरहान अख्तर पर था क्रश: गौहर

हाल में अभिनेता फरहान अख्तर और उनकी गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर ने शादी रचाई है। मुंबई के खंडाला वाले फार्महाउस पर करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में उनकी शादी संपन्न हुई। उनकी शादी में बॉलीवुड के कई कलाकारों ने भी शिरकत की थी। अब अभिनेत्री गौहर खान ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शिबानी के साथ-साथ उनका भी फरहान पर क्रश था।

गौहर ने बताया कि शिबानी के साथ उनका भी फरहान पर क्रश था। फरहान और शिबानी की मुलाकात एक रियलिटी शो आई कैन डू दैट में हुई थी। इस शो को फरहान होस्ट कर रहे थे, जबकि शिबानी एक प्रतिभागी थीं। 2015 में इसी शो के दौरान दोनों का प्यार परवान चढ़ा। गौहर भी इस शो में एक प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई थीं। इस शो के दौरान उनका क्रश फरहान पर बढ़ा।

गौहर ने कहा, मुझे नहीं पता कि उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई या नहीं, क्योंकि मुझे कोई आइडिया नहीं था। लेकिन हम सभी उस वक्त फरहान पर क्रश कर रहे थे। शिबानी और मेरे सहित हम सभी उनसे प्रभावित थे। मुझे याद है कि हम बात करते थे कि वह कितने अच्छे दिखते हैं या वह कितने अद्भुत व्यक्ति हैं। गौहर ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि फरहान-शिबानी एक साथ हैं, तो उन्हें बहुत खुशी हुई।

फरहान के बारे में गौहर ने कहा, फरहान एकमात्र ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वास्तव में इंडस्ट्री में प्रशंसा करती हूं। मैं उनके अभिनय और निर्देशन करने की क्षमता को पसंद करती हूं। हालांकि, गौहर फरहान और शिबानी के संपर्क में नहीं हैं। उन्होंने फरहान को इंस्टग्राम पर शादी की बधाई दी थी। फरहान-शिबानी ने एक प्राइवेट सेरेमनी में 19 फरवरी को शादी रचाई थी। ये दोनों खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं।

गौहर को हाल में कई म्यूजिक वीडियो में देखा गया है। गौहर ने दिसंबर, 2020 में जैद दरबार से शादी की थी। गौहर और जैद की मुलाकात 2020 में लॉकडाउन के दौरान एक किराने की दुकान पर हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और उनके बीच बातचीत शुरू हो गई। एक-दूसरे को जानने के कुछ हफ्तों के बाद ही इस कपल ने डेट करना शुरू कर दिया था।

अदा खान ने बोल्ड कंटेंट के कारण ठुकराया था ओटीटी डेब्यू का ऑफर

नागिन 6 को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। बिग बॉस 15 की विजेता तेजस्वी प्रकाश इस सीरियल में लीड रोल निभा रही हैं। उनके साथ टीवी अभिनेत्री अदा खान नागिन 6 में अपनी वापसी कर रही हैं। अब अदा ने अपनी ओटीटी डेब्यू को लेकर अहम खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में अदा ने कहा कि उन्होंने बोल्ड कंटेंट के कारण ओटीटी डेब्यू का ऑफर ठुकरा दिया था।

अदा ने बताया कि उन्होंने बोल्ड कंटेंट के कारण ओटीटी डेब्यू का ऑफर रिजेक्ट कर दिया था। अदा ने कहा, मैं हमेशा वेबस्पेस पर कुछ ऐसा करना चाहती थी, जिसे आप अपने परिवार के साथ बैठकर देख सकें। मैं बोल्ड सीन और बोल्ड कंटेंट करने को लेकर थोड़ा संशय में हूं। मैं इसके लिए तैयार नहीं थी, क्योंकि कुछ समय पहले वेबस्पेस पर यही हो रहा था।

अदा ने कहा कि भले ही उन्हें कई ओटीटी ऑफर मिले, लेकिन कंटेंट के कारण उन्हें सभी को रिजेक्ट करना पड़ा। उन्होंने बताया, मुझे उन सभी ऑफर को ठुकराना पड़ा, क्योंकि मैं उस तरह के कंटेंट के साथ सहज नहीं थी। अदा का मानना है कि अब चीजें बदल गई हैं। इसलिए वह ओटीटी प्रोजेक्ट में खुद को सहज मानती हैं। अदा ने कहा कि टीवी की तुलना में ओटीटी पर काम करने का उनका अनुभव बिल्कुल अलग रहा।

कहा जा रहा है कि अदा आने वाले दिनों में कई वेब सीरीज में नजर आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ने के साथ उनका टीवी के प्रति प्यार बरकरार रहेगा। अदा ने हाल ही में शुभ मंगल में दंगल नामक एक फैमिली कॉमेडी सीरीज के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया है। इस सीरीज में उन्होंने मिताली का किरदार निभाया था।

फिल्मों की तुलना में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बोल्ड कंटेंट को आसानी से परोसा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां सेंसरशिप का कोई फॉर्मूला नहीं है। वहीं, फिल्मों को रिलीज करने से पहले उसे सेंसर बोर्ड से पास करवाना जरूरी होता है।

अदा के करियर की बात करें तो वह टीवी की ग्लैमर्स अभिनेत्री मानी जाती हैं। उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह एक कॉल सेंटर में काम करती थीं। इस दौरान एक कॉफी शॉप में उनका लुक देखने के बाद पेंटालुन्स ने उन्हें मॉडलिंग का ऑफर दे दिया। इसके बाद उन्होंने सोनी टीवी के शो पालमपुर एक्सप्रेस से टीवी की दुनिया में कदम रखा। फिर उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई।

इतिहास पुनर्लेखन के घातक मंसूबे

अश्विनी कुमार

यूक्रेन, 4.4 करोड़ स्वतंत्र नागरिकों वाला राष्ट्र, जो आज बहादुरी से अपनी आज़ादी बरकरार रखने की खातिर पुतिन के रूस से वह लड़ाई लड़ रहा है जो नाहक उसे करनी पड़ रही है। अब जबकि रूसी फौज यूक्रेन में और गहरे घुसती जा रही है, ऐसे में अविश्वास, हताशा और हकीकत वाली राजनीति के द्वंद्व से घिरा शेष विश्व सिवाय अपना गुस्सा जाहिर करने के मुख्यत: असहाय दिखाई दे रहा है। लड़ाई लंबी खिंचने की संभावना भांपकर रूस ने अपने परमाणु-बल को भी क्रियाशील कर दिया है। इसी बीच, स्विफ्ट नामक बैंकिग व्यवस्था से रूस को महरूम करने वाला प्रतिबंध लग चुका है और अमेरिका एवं उसके अन्य सहयोगियों ने यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य मदद देने का प्रण लिया है।

वर्ष 2008 में जॉर्जिया से शुरू करके, 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने वाले कृत्य करके पुतिन ने बार-बार दुस्साहस किया है, यह संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के सर्वप्रथम सिद्धांत का सरासर उल्लंघन है। मध्य यूरोप के नक्शे में क्षेत्रीय सीमा रेखा पुनर्निमित करने की रूसी महत्वाकांक्षा और अपनी भू-राजनीतिक हदों का पुनर्निधारण करने की इस चाहत का 21वीं सदी में कोई औचित्य नहीं है। यह संभावना बनना कि साम्राज्यवादी भव्यता की धूमिल पड़ती यादें और पूर्व सोवियत संघ की महाशक्ति वाले रुतबे से प्रेरित होकर क्रूर रूसी सेना की घुसपैठ के चंद दिनों के अंदर एक संप्रभुता संपन्न राष्ट्र अपनी पहचान खो देगा, यह नीति-आधारित विश्व-व्यवस्था की मान्यताओं का इम्तिहान है। इस वक्त, जब कोविड महामारी की विध्वंसक मार सहने के बाद दुनिया सामान्य स्थिति की ओर रेंगने लगी हो, ऐसे में बिना भड़काहट रूस की यूक्रेन पर चढ़ाई का अंजाम वैश्विक राजनीतिक स्थिरता पर पड़ेगा। इस घटना ने विश्व शांति बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, सार्थकता और मध्यस्थता क्षमता पर खड़े होने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों को पुन: उभारा है। यूक्रेन में दिनों-दिन बढ़ता जा रहा युद्ध संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था में सुधार लाने की त्वरित जरूरत को रेखांकित करता है ताकि 'संख्या के आधार पर बहुमत' वालों की आकांक्षा को 'बलशाली अल्पसंख्यक' वीटो नामक बेजा शक्ति के इस्तेमाल से धता न बता पाएं, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ हालिया पश्चिम जगत नीत प्रस्ताव में देखने को मिला। क्या अजीब मंज़र है, आरोपी आक्रांता रूस अपने मामले में न्यायाधीश की भूमिका निभाए और सुरक्षा परिषद में पेश किए गए महत्वपूर्ण प्रस्ताव को वीटो-शक्ति के जरिए यूक्रेन में लड़ाई शुरू करने पर अंतर्राष्ट्रीय निंदा से खुद को बचा ले जाए।

रूसी दलील है कि वह आत्मरक्षार्थ यूक्रेनियों को 'हथियार मुक्त करके असैन्यीकरण' करने का प्रयास कर रहा है। वह अपने हमले को विशेष 'सैन्य अभियान' का नाम देकर, पूर्व सोवियत गणराज्यों को अमेरिका-नीत नाटो पाले में जाने से बचाने का उपाय बता रहा है। पर यह अपनी सरदारी वापस पाने और पूर्व सोवियत संघ के विघटन से रूस की बेइज्जती की भरपाई हेतु स्व-जख्म बनाकर किया गया बहाना है। इससे पहले जॉर्जिया, क्रीमिया, मोल्देवा और डोनबास वगैरह में पुतिन के दुस्साहस समय-बद्ध नीति के तहत थे, इसके पीछे रूस-चीन का नया याराना और 'साम्राज्यवादी पहाड़े' का नवीकरण और रूस के खोए प्रभामंडल को पुन: पाने का प्रयोजन है। प्रतिशोध से सराबोर पुतिन की चाहत है, रूस का पुराना वैभव कायम करना और इतिहास का पुनर्लेखन करके इसको भविष्य में तब्दील करना।

जहां एक ओर पुतिन दावा करते हैं कि यूक्रेन को रूस से पृथक राष्ट्र की तरह नहीं लिया जा सकता और यह 1991 के बाद का 'ऐतिहासिक अनौचित्य' है, साथ ही उनकी यह दर्पपूर्ण चुनौती -'किसी अन्य देश द्वारा दखलअंदाजी का प्रयास ऐसे परिणाम पैदा करेगा, जो इससे पहले आपने कभी न देखे हों।' यूरोप में लड़ाई फैली तो इससे वर्षों पहले दफन हो चुके इलाकाई संघर्ष जी उठेंगे और यह स्थिति राष्ट्रों के बीच एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता से उपजी समझदारी से बनी अंतर्राष्ट्रीय शांति को भंग कर सकती है। यूक्रेन संघर्ष के असरात मुल्कों को उद्धृत करेंगे कि वे अपनी क्षेत्रीय अखंडता पर खतरा कम करने हेतु परमाणु अस्त्रों को परम-उपाय मानकर हर हाल में हासिल करें। इससे परमाणु निरस्त्रीकरण प्रक्रिया को धक्का लगेगा।

गंभीर स्थिति बनने पर, क्रमिक विकास के बाद मौजूदा रूप पाए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का आह्वान न सिर्फ इनकी प्रभावशीलता बल्कि विश्व शांति बनाए रखने के औजार में अपना वजूद सिद्ध करने के लिए अक्सर होता रहता है। कई निर्णायक पलों पर संयुक्त राष्ट्र की आम सभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति में हुई बहसें युद्ध क्षेत्र में शांति बनाने को इनके महत्व की गवाही देती है। यह सब बार-बार याद दिलाता है कि हम ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां नियम-कानून को धता बताने वाली बेलगाम ताकतें हैं, जिन्हें 'ताकत बदतमीजियां ढांपने के लिए काफी है' वाले सिद्धांत में यकीन है। सवाल है कि क्या दुनिया पुतिन की युद्ध-आसक्ति की निंदा करने को यथेष्ट आवाज पा लेगी या फिर से इस पुरानी यूनानी उक्ति को सिद्ध करेगी -'ताकतवर जितनी चाहे मनमर्जियां करे और कमजोर वह सब ढोने को अभिशापित है, जो लादा जाए।'

निस्संदेह एक न्यायपूर्ण एवं मानवीय विश्व व्यवस्था सुनिश्चित करने की खातिर कड़े उपाय अपनाने से मुंह चुराना निरर्थक है। भारतीय कूटनीति के लिए सिद्धांत और व्यावहारिकता के बीच जितना हो सके संतुलन साधने की चुनौती फिर से बन गई है। राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन न होने पाए, यह सुनिश्चित करने के प्रयास में, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति में रूस के विरुद्ध आए प्रस्ताव के दौरान उसकी कठोर निंदा करने से बचने के लिए भारत ने अनुपस्थित रहकर दोनों पक्षों से महीन संतुलन साधा है। इस तरह सामरिक निष्पक्षता के जरिए जहां संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के पुनीत सिद्धांत की अवहेलना करने से बचा गया, वहीं अपने व्यापक एवं बहु-आयामीय राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखा है। जवाहरलाल नेहरू ने चेताया था -'यह हिम्मत किसी सरकार में नहीं है कि लघु या दीर्घकाल में ऐसा कुछ करे जो देश हितों के विपरीत सिद्ध हो।' खबरों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से टेलीफोन संवाद में अंतर्निहित संदेश दिया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति में भारत का बयान लाल लकीर से पहले रुकने और यूक्रेन में वार्ता के जरिए समझौता बनाने की गर्ज से था।

अपने आधीन दुर्जेय और विशाल शक्तिशाली युद्ध मशीनरी की श्रेष्ठता होने के बावजूद पुतिन को यह भान होना जरूरी है कि आज आपस में जुड़े विश्व में किसी किस्म का अन्यायपूर्ण कृत्य या क्रूरता का वैश्विक प्रतिकर्म होना अवश्यम्भावी है। उन्हें इतिहास से सीखना होगा कि एक बार लोगों में जागृति आने के बाद अपनी आजादी कायम रखने वाला नारा 'अनवरत उन्माद' बन जाता है तब न तो आक्रांता न ही पीड़ित युद्ध की विभीषिका से बच सकता है। पुतिन को, बतौर एक माहिर योजनाकार, इतिहास के इस कटु सबक से सीख लेनी होगी कि किसी निरर्थक सामरिक दुस्साहस को देर-सवेर सज़ा जरूर मिली है। उन्हें यह भी याद रहे कि अमेरिका की 'दुनिया में शांति कायम रखने वाली महाशक्ति' छवि की विश्वनयीता जिस तरह इराक और अफगानिस्तान में सदा के लिए धूमिल हुई है, उसी तरह यूक्रेन में बतौर आक्रांत बनकर उन्होंने दुनिया भर की सरकारों और लोगों के ज़हन में अपनी इज्जत को बट्टा लगवाया है।

इसी बीच, अपनी आज़ादी और गौरव के रक्षार्थ जूझ रहे यूक्रेनी लोगों के साथ एकजुटता दर्शाने की खातिर संयुक्त वैश्विक इच्छाशक्ति बनाना सभ्य तौर-तरीकों की परीक्षा होगी, जिसका आधार दबे-कुचलों और अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले के लिए सहानुभूति में है।

लेखक पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री हैं, प्रस्तुत विचार निजी हैं।

सू- दोकू क्र. 63

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

वक्त की नीति

संयुक्त राष्ट्र आम सभा व सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर रूसी हमले के खिलाफ लाये गये निंदा प्रस्तावों से अलग रहकर भारत ने जहां अपने दूरगामी हितों को ध्यान में रखा है, वहीं यूक्रेन की संप्रभुता की भी वकालत की है। बहुत संभव है कि कुछ लोग वक्त की संवेदनशीलता के चलते इस फैसले को लेकर सवाल खड़े करें, लेकिन इस फैसले से कूटनीतिक संतुलन बनाने की भी कवायद हुई। भले ही भारत ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन न किया हो, मगर रूसी हमले की वकालत भी नहीं की है। भारत ने यूक्रेन की संप्रभुता व स्वतंत्रता का पुरजोर समर्थन किया। साथ ही भारत ने शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत के विकल्प को प्राथमिकता दी है। यही बात भारतीय विदेश मंत्रालय व संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने दोहराई है। देश में विपक्ष ने भी वैचारिक मतभेद के बावजूद इसका समर्थन किया है। निस्संदेह, युद्ध किसी विवाद का समाधान नहीं कहा जा सकता। विगत में भारत ने कभी किसी देश पर हमले की पहल नहीं की, युद्ध का विकल्प केवल अपनी सुरक्षा के अंतिम विकल्प के रूप में चुना है। कभी किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता पर हमले को न्यायोचित नहीं ठहराया है। अपने पड़ोसियों से भी विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास किया। देश द्वारा कई दशकों तक अपनायी गई गुटनिरपेक्षता की नीति का भी यही आधार रहा है। यही नहीं दुनिया के कई देशों में शांति स्थापना में भारत की भूमिका निर्णायक रही है। यूक्रेन-

रूस संघर्ष में भी भारत ने सभी पक्षों के नेताओं से बातचीत में विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की बात कही है। जल्दी से जल्दी युद्ध विराम की जरूरत को बताते हुए प्रधानमंत्री ने कई देशों के राष्ट्रपतियों से बातचीत की है। यहां हमें राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी था कि रूस हमारा एक भरोसेमंद साथी रहा है और दोनों देशों के रिश्ते दशकों तक गहरे रहे हैं। संकट के कई मौकों पर उसने भारत का साथ दिया है।

हमें सचेत रहना चाहिए कि चीन पिछले कुछ वर्षों से एलएसी पर जिस तरह अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को अंजाम देता रहा है, उसके मंसूबों पर नकेल डालने के लिये रूस से भरोसे के रिश्ते बनाये रखना जरूरी है। इसलिये भी कि भारत की रक्षा जरूरतों की बड़ी निर्भरता रूस पर बनी हुई है। हाल ही में अचूक और उन्नत मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली सौदे का सिरे चढ़ना इसकी मिसाल है। लेकिन ऐसे वक्त में जब यूक्रेन में बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया है भारत अपने दायित्वों से विमुख नहीं हो सकता है। निस्संदेह, किसी देश पर हमला इतिहास को फिर से लिखने की निर्मम कोशिश ही कही जायेगी, उसे मानवता व किसी देश की संप्रभुता की दृष्टि से कतई तार्किक नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ रूस ही इस विवाद का अकेला दोषी है। अमेरिका व पश्चिमी देशों की यूक्रेन को नेटो में शामिल करने की जिद भी कहीं न कहीं इस संघर्ष की मूल वजह रही है, जिसके चलते रूस को लगता था कि नेटो उसके दरवाजे पर आ सकता है। सोवियत संघ के विघटन के समय रूस को भरोसा दिया गया था कि सोवियत संघ से अलग हुए देशों को नेटो में शामिल करने को बाध्य नहीं किया जायेगा। लेकिन यूक्रेन के अलावा अधिकांश देशों को अमेरिका व पश्चिमी देशों ने नेटो में शामिल कर लिया, जिसके चलते रूस में बेचैनी होनी स्वाभाविक थी। इसके बावजूद युद्ध कभी भी शांति का विकल्प नहीं हो सकती। वह भी आज के उन्नत 21वीं सदी के विश्व में। वहीं ऐसे समय में जबकि दुनिया के देश करीब दो साल तक कोरोना महामारी से उबरकर जीवन सामान्य बनाने की कवायद में जुटे हैं। महामारी से जहां लाखों लोगों का जीवन खत्म हुआ, वहीं करोड़ों लोग गरीबी की दलदल में समा गये। रूस-यूक्रेन संघर्ष निस्संदेह मानवीय त्रासदियों में इजाफा ही करेगा। ऐसे में भारत को यूक्रेन की मानवीय मदद के लिये भी आगे आना चाहिए। वहीं रूस पर दबाव बनाकर युद्ध को समाप्त करने की पहल करनी चाहिए। (आरएनएस)

जोशी व गैरोला ने किया शहीदों को नमन

संवाददाता

देहरादून। विधायक गणेश जोशी व बृजभूषण गैरोला ने शहीद स्थल पहुंचकर उत्तराखण्ड आंदोलन के शहीदों का नमन किया।

आज यहां जीत के दूसरे ही दिन मसूरी के विधायक गणेश जोशी कचहरी परिसर स्थित शहीद स्थल पहुंचे जहां पर उन्होंने उत्तराखण्ड आन्दोलन में शहीद हुए शहीदों के चित्रों पर फूल माला पहनाकर उनको नमन कर उनको याद किया। इससे पूर्व डोईवाला विधानसभा से जीते भाजपा के बृजभूषण गैरोला भी मेयर सुनील उनियाल गामा के साथ शहीद स्थल पहुंचे और उन्होंने भी शहीदों को याद कर उनको श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया। इस दौरान वह वहां मौजूद आंदोलनकारियों से भी मिले। इस अवसर पर उनके साथ अधिवक्ता राकेश कुमार गुप्ता व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

नई सरकार युवाओं को रोजगार देने में अहम भूमिका निभाएगी

ऋषिकेश (आरएनएस)। सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन मुनिकीरेती–ढालवाला की मासिक बैठक में पेंशनर्स से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान पेंशनरों ने कहा कि राज्य की नई सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगी। गुरुवार को ढालवाला स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में शूरवीर सिंह चौहान ने कहा कि नई सरकार प्रदेश के चहुमुखी विकास के लिए कार्य करेगी। साथ ही बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने और महंगाई पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाएगी। मौके पर कोषाध्यक्ष जबर सिंह पंवार, मंत्री वीरेंद्र पोखरियाल, संरक्षक हंसलाल असवाल,एसएस गुसाईं, जीएस गुसाईं, रघुवीर बिष्ट, डीएस जेठुडी, राममोहन नौटियाल, खुशहाल राणा, पुष्पा उनियाल, लक्ष्मी बिष्ट, शीला रतूड़ी, निर्मला नेगी, पीएस रावत, वीपी कंडवाल, शंकर दत्त पैन्यूली,हृदय राम सेमवाल, डीपी रतूड़ी, जीएस नेगी, जीडी खंडूड़ी, डीपी बिजल्वाण, केएस रावत, कृष्ण कुमार वर्मा, ओमप्रकाश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

कौन बनेगा सीएम, मंथन शुरु ...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मामला उलझ चुका है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पीयूष गोयल को अब भाजपा हाईकमान द्वारा उत्तराखंड भेजा जा रहा है जो जीते हुए विधायकों से विधायक दल के नेता के चुनाव पर उनकी अलग-अलग राय जानेंगे। विधायकों की इस राय के आधार पर ही हाईकमान द्वारा सरकार के निर्णय पर फैसला लिया जाएगा। धामी के चुनाव हारने के बाद विधायकों में इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो चुकी है। कई विधायक जहां धामी को ही मुख्यमंत्री बनाए जाने की राय रखते हैं क्योंकि भाजपा ने उन्हीं के चेहरे पर चुनाव लड़ा और जीता है जबकि कुछ विधायक जीते हुए विधायकों में से ही किसी को मुख्यमंत्री बनाने की राय रखते हैं। यही नहीं धामी की हार के बाद सांसद अनिल बलूनी व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक तथा सतपाल महाराज सहित कई अन्य नाम भी चर्चाओं के केंद्र में हैं। हालांकि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने अपनी चुनावी जनसभाओं में धामी के नेतृत्व में फिर भाजपा की सरकार बनाने की अपील कर धामी को ही मुख्यमंत्री बनाए जाने के संकेत दिए थे। लेकिन 47 सीटों पर जीत और प्रचंड बहुमत मिलने के बाद धामी को सीएम बनाने और एक सीट खाली कराने और फिर चुनाव लड़ाने की कवायद से भाजपा बचना चाहती है। देखना है कि भाजपा हाईकमान अब ऐसी स्थिति में धामी को ही सीएम बनाती हैं या कोई नया चेहरा सीएम की कुर्सी पर नजर आएगा।

जनता ने उक्रांद को दिखाया आईनाः उपाध्याय

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय महामंत्री जय प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि उक्रांद नेतृत्व को जनता ने नकार कर आईना दिखा दिखाया है।

आज यहां द्रोण होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उपाध्याय ने कहा कि वह उत्तराखण्ड की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि हम स्वीकार करते हैं कि हमारे द्वारा प्रत्याशियों को निहत्था मैदान में भेजा गया। इस कारण राष्ट्रीय पार्टियों की अनैतिक लडाई में धराशाई हो गये। उन्होने कहा कि जनता ने उक्रांद के नेतृत्व को स्वीकार न हीं किया है। हम नेतृत्व करने में विफल रहे है। उन्होने कहा कि हम लकीर के फकीर बनकर रह गये हैं। जिस रूप में हम चुनाव लडे है यह तय हो गया है कि इस प्रकार से राष्ट्रीय पार्टियों से मुकाबला नही किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हम रा ष्ट्रीय पार्टियों

की तरह विकल्प उत्तराखण्ड की जनता के सम्मुख खडा नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ गलत निर्णया एवं नेतृत्व करने की अति महत्वकांक्षाओं ने भी उक्रांद नेतृत्व को भी जनता ने नकार कर आईना दिखाया है।

उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मंथन के लिए बैठेगे और उत्तराखण्ड क्रांति दल की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करेंगे और भविष्य के लिए चिंतन कर नया रास्ता तलाशने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने उन साथियों का ध न्यवाद करते है जिन्होंने इस विपरित परिस्थितियों में भी उक्रांद के टिकट पर चुनाव लडा और वह एक बेहतर प्रत्याशी के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे और उक्रांद को घर-घर ले जाने का काम किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सचिव उत्तम सिंह रावत व अन्य मौजूद थे।

महीरस्य प्रणीतयः पूर्वीरुत प्रशस्तयः।
नास्य क्षीयन्त ऊतयः।

(ऋग्वेद ६–४५–३)

जिस शासक की नीतियां और उनका पालन वेदों के अनुकूल सभी का हित करने वाला हो।
हे परमेश्वर ! ऐसे शासक का रक्षण और गरिमा कभी कम ना हो।

The ruler whose policies and their adherence are in accordance with the Vedas and is beneficial to all. O God ! protection and dignity of such ruler should never be diminished.

(Rig Veda 6-45-3)

सिडकुल में रेलवे का कटेनर डिपो बनाने की मांग

हरिद्वार (आरएनएस)। सिडकुल स्थित भारतीय रेलवे डीआरएम एवं सिडकुल मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन की बैठक में सदस्यों ने रेलवे माल गोदाम की तरह कंटेनर डिपो, नॉर्मल फ्लेट स्टेशन मॉडल सिडकुल में डेवलप करने की मांग की। बैठक में प्रधानमंत्री की गति शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल पॉलिसी पर चर्चा की गई। मुरादाबाद जिले की तर्ज पर सिडकुल में काफी समय से कंटेनर डिपो बनाने की मांग चल रही थी। उद्यमी प्रधानमंत्री की इस योजना में संभावनाएं तलाश रहे हैं। सिडकुल मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग ने कहा कि सिडकुल से कंटेनर का मूवमेंट अधिक होता है। अगर यहां पर कंटेनर डिपो बनता है। तो सीधे कम समय मे माल बाहरी राज्यों को एक्सपोर्ट किया जा सकेगा। रेलवे डीआरएम अजय नंदन ने कहा कि गति शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल रेल लाइन के साथ ही बाय रोड भी शामिल हो सकता है। पूर्व में जारी रेलवे की सभी योजनाएं एकत्रित कर गति–शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल पॉलिसी बनाई गई है। डीआरएम ने एसोसिएशन से पूछा कि अगर सिडकुल में रेल आती है। तो उसके लिए भूमि एक्वायर कैसे होगी। एसोशिएशन सटीक जवाब नही दे सकी। इस दौरान जीएम भेल केबी बत्रा, एजीएम भेल राजेश शर्मा, नितिन मंदाना मैनेजर श्री सीमेंट, रंजीत जालान, अजित सक्सेना, एसपीएस गोतम, अजय जैन, राज अरोड़ा, हरेंद्र गर्ग, जगदीश लाल पाहवा, डॉ.मोहिंदर अहूजा, आरसी जैन, राजकुमार सुनेजा, प्रियंका भंडारी, जगपाल सिंह, आदि उधमी मौजूद थे।

प्रतिभागियों को अपने ट्रेडिशन से जोड़ने का ये बेहतर तरीका हैः मित्तल

संवाददाता

देहरादून। मिस ट्रेडिशनल और इंट्रोडक्शन सब-कांटेस्ट के आयोजक राजीव मित्तल ने कहा कि प्रतिभागियों को अपने ट्रेडिशन से जोड़ने का ये बेहतर तरीका है।

आज यहां सिनमिट कम्युनिकेशंस की ओर से मिस ट्रेडिशनल और इंट्रोडक्शन सब-कांटेस्ट का आयोजन किया गया। इस मौके पर ट्रेडिशनल ड्रेसस में प्रतिभागी बेहद खूबसूरत दिखी। उन्होंने ग्रैंड फिनाले से पहले अपना इंट्रोडक्शन भी कुछ अलग अंदाज में दिया। मिस उत्तराखंड-2021 के इस सब-टाइटल का आयोजन बसंत विहार में एक होटल में किया गया। इस मौके पर प्रतिभागियों ने इंडियन ड्रेसेस पहनी।

ट्रेडिशनल लुक में वे बेहद ही खास लग रही थी। जजेस की भूमिका में रोटरी क्लब शिवालिक हिल्स के प्रेजिडेंट पुनीत टंडन, इंटरप्रेनियर और एडुकेशनिष्ट अजय कर्णवाल, डायरेक्टर रॉयल इन पैलेस मयंक ओबेरॉय, सौरभ शर्मा, डीआईडी सुपर मोम फेम् जोया खान, मिस उत्तराखंड फर्स्ट रनरअप विशाखा बियाल, मिस उत्तराखंड थर्ड रनरअप अपूर्वा डोभाल उपस्थित रहे। इस मौके पर जजेस ने प्रतिभागियों से कई सवाल किए। इस दौरान प्रतिभागियों ने भी जजेस के सवालों का बखूबी जवाब दिया। आयोजक दलीप सिंधी और राजीव मित्तल ने बताया सभी प्रतिभागियों को सुंदरता के साथ फिट रहने के सभी टिप्स दिए जा रहे हैं। बताया कि प्रतिभागियों को अपने ट्रेडिशन से जोड़ने का ये बेहतर तरीका है। इस मौके पर मौके पर कोरियोग्राफर जेस पुष्कर सोनी और ग्रूमर-ट्रेनर मिस उत्तराखंड-2017 शिवांगी शर्मा, न्यू एरा फोटो स्टूडियो के राज कौशिक ने विशेष सहयोग किया।इस आयोजन में कमल ज्वेलर्स, न्यू इरा फोटो- स्टूडियो,फिजिक जिम, इंस्पिरेशन पीआर, एवेलोंन एकेडमी आदि विशेष सहयोगी रहे।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

हादसे का शिकार हुआ भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में गुरेज सेक्टर के बर्फीले इलाके में शुक्रवार को भारतीय सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चीता हेलीकॉप्टर जम्मू–कश्मीर के गुरेज सेक्टर के बरौम इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रक्षा अधिकारी के अनुसार खोज दल मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारी ने कहा, सुरक्षा बलों के खोज दल हेलिकॉप्टर चालक दल के बचाव के लिए बर्फीले इलाके में पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर चीता उत्तरी कश्मीर में गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास दूर–दराज के एक इलाके में सीमा

सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीमार कर्मी को लेने जा रहा था। इसी वक्त चीता दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे के कारण और किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर उतरने ही वाला था, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से उसने नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल को रवाना किया गया है और हवाई टोही दल लोगों की तलाश कर रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारियां अभी नहीं मिल पाई है।

सपा ने दिखा दिया कि भाजपा की सीटों को घटाया जा सकता है: अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद समाजवादी पार्टी (सपा) की सीटें बढ़ने और मत प्रतिशत में इजाफा होने पर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य की जनता का धन्यवाद किया और कहा कि हमने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सीटों को घटाया जा सकता है। यादव ने शुक्रवार सुबह ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश की जनता को हमारी सीटें ढाई गुनी करने और मत प्रतिशत डेढ़ गुना बढ़ाने के लिए हार्दिक धन्यवाद। हमने दिखा दिया है कि भाजपा की सीटों को घटाया जा सकता है। भाजपा की

सीटों में यह कमी निरंतर जारी रहेगी। आधा से अधिक भ्रम और छलावा दूर हो गया है बाकी कुछ दिनों में हो जाएगा। जनहित का संघर्ष जीतेगा। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव २०२२ में समाजवादी पार्टी ने १११ सीटों, सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने आठ सीटों, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने छह सीटों पर जीत हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी ने २५५ सीटों पर जीत हासिल कर राज्य में सत्ता में शानदार वापसी की है। २०१७ विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने ४७ सीटों पर जीत हासिल की थी।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत का श्रेय मायावती और औवेसी को जाता है: संजय राउत

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२२ में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद पूरे देश की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है ऐसे में शिवसेना नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा ने शानदार जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश उनका राज्य था, फिर भी अखिलेश यादव की सीटें तीन गुना बढ़ गई

हैं, ४२ से १२५ से ज्यादा हो गई हैं। मायावती और असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा की जीत में योगदान दिया है, इसलिए उन्हें पद्म विभूषण, भारत रत्न दिया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ४ राज्यों में जीती है, हमें परेशान होने की कोई बात नहीं है, हम आपकी खुशी का हिस्सा हैं। उत्तराखंड के सीएम क्यों हारे? गोवा में २ उपमुख्यमंत्री हारे सबसे अधिक चिंता का विषय पंजाब है, भाजपा जैसी राष्ट्रवादी पार्टी को पंजाब में पूरी तरह खारिज कर दिया गया है। संजय राउत ने आगेकहा कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री सभी ने पंजाब में जबरदस्त प्रचार किया। फिर आप पंजाब में क्यों हारे? उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा पहले से आपका था, जो ठीक है। लेकिन, आप उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और शिवसेना की तुलना में पंजाब में अधिक हारे हैं।

पूर्ण बहुमत की सरकार शुभ संकेत

❑राजनीतिक अस्थिरता का खतरा खत्म
❑निर्दलीयों की दखल और निर्भरता नहीं

विशेष संवाददाता

देहरादून। सभी कयासों और एग्जिट पोल्स को गलत साबित करते हुए उत्तराखंड के लोगों ने राज्य में एक पूर्ण बहुमत वाली सरकार के गठन का जनादेश भाजपा के पक्ष में दिया जाना राज्य में राजनीतिक स्थिरता और विकास को गतिमान रखने के लिहाज से एक शुभ संकेत माना जा रहा है।

चुनाव परिणाम से एक दिन पूर्व सांध्य दैनिक 'दून वैली मेल' द्वारा राज्य में पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने की संभावनाएं जताई गई थी। जो सच साबित हुई, भाजपा 70 में से 47 सीटों पर जीत के साथ राज्य में एक बार फिर मजबूत बहुमत वाली सरकार बनाने जा रही है जो 5 साल तक बिना किसी विघ्न बाधा के अपना कार्यकाल पूरा करेगी। वहीं विपक्ष कांग्रेस पहले की 11 सीटों वाले विपक्ष से अधिक मजबूत हुआ है। विपक्ष की संख्या में भी 10 की वृद्धि होने से वह पहले से ज्यादा मजबूत होगा। जो सरकार के काम पर नजर रखने और मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए जरूरी है।

भाजपा जिसे 2017 के चुनाव में 70 में से 57 सीटों के प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आने का मौका मिला था लेकिन लचर नेतृत्व के कारण यह सरकार विकास के मुद्दे पर वैसी सफल और कारगर साबित नहीं हो सकी जैसी जन अपेक्षाएं थी। यही कारण था कि चुनाव से पहले उसे दो मुख्यमंत्री बदलने पड़े और अपने ही कई निर्णय भी पलटने पड़े। अब जब जनता ने भाजपा को एक और मौका दिया है तो उससे अपेक्षा की जानी चाहिए कि वह अपनी पुरानी गलतियों को नहीं दोहरायेगी। मुख्यमंत्री की कुर्सी चिंतन मंथन के बाद किसी योग्य और कर्मठ तथा ईमानदार व्यक्ति को सौंपी जाए जिसे 5 साल तक बदलने की जरूरत न पड़े जो राज्य के समग्र विकास और युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर स्तर तक ले जा सके। जिससे 2027 के चुनाव में उसे केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी के नाम और काम का सहारा न लेना पड़े।

वर्तमान बड़े जनादेश के साथ भाजपा की आने वाली नई सरकार के सामने जिम्मेदारियां भी बड़ी होंगी और जवाबदेही भी बड़ी ही रहने वाली है। भाजपा नेताओं को पार्टी के अंदरूनी मामलों को लेकर भी अनुशासित होने की जरूरत है। जिस तरह की अनुशासनहीनता चुनावी दौर में देखी गई है उससे निपटने के लिए भाजपा को और सख्ती बरतने की जरूरत है। तभी सरकार ठीक से चल सकेगी और काम कर सकेगी। प्रचंड बहुमत ने सरकार की निर्दलीयों पर निर्भरता खत्म कर दी जो अच्छी बात है।

एक ही रात में दो दुकानों के ताले टूटे

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने एक ही रात में दो दुकानों के ताले तोडकर वहां से हजारों रूपये का सामान व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रभागा रोड निवासी गोपाल कुमार अग्रवाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बस स्टैण्ड रोड पर दुकान है। आज जब वह सुबह दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था वहीं उसके साथ में राजेश की दुकान का भी ताला टूटा हुआ था। चोर उनके यहां से सामान व गल्ले से रूपये चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामनगर ने हरीश और..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कि वह 17 हजार से भी अधिक वोटों से हार गए।

हरीश रावत की इस एक चाल से कांग्रेस को 3 सीटों पर नुकसान हुआ वहीं रंजीत सिंह रावत और खुद हरीश रावत की हार का बड़ा कारण यह विवाद बना। सहसपुर सीट पर भी कांग्रेस प्रत्याशी आर्येन्द्र शर्मा को जिस हार का सामना करना पड़ा उसके पीछे भी मुस्लिम यूनिवर्सिटी के उस फैक्टर को ही माना जा रहा है जिसकी उपज हरीश रावत को बताया जा रहा है। खैर अब जो होना था हो चुका लेकिन उनका स्वयं को सीएम का चेहरा बनाए जाने की जद्दोजहद को भी लोग कांग्रेस की असफलता से ही जोड़ रहे हैं।

कांग्रेस ने दो सीटें पांच सौ से भी कम मतान्तर से जीती

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में इस बार क्षेत्रीय दल यूकेडी और आम आदमी पार्टी को तो घोर निराशा हाथ लगी ही है। क्योंकि इस चुनाव में उनका खाता तक नहीं खुल सका वहीं तमाम अन्य छोटे दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों की जमानते भी जप्त हो गई है लेकिन आधा दर्जन के करीब सीटों पर हार जीत का अंतर हजार से भी कम रहा है। जबकि दो सीटों पर यह जीत पांच सौ से भी कम मतांतर से हुई है।

अल्मोड़ा सीट पर हार जीत का अंतर इस बार सिर्फ 141 मतों का रहा। इस सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी मनोज तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश शर्मा को 141 मतों से परास्त किया है। वही द्वाराहाट में भी कांग्रेसी प्रत्याशी मदन बिष्ट भाजपा प्रत्याशी अनिल शाही को सिर्फ 366 वोटों से ही हरा सके। द्वाराहाट और अल्मोड़ा की यह दो सीटें यूं कहिए कि बस किसी तरह कांग्रेस के खाते में चली गई अन्यथा कांग्रेश 19 से 17 पर ही सिमट जाती। वही मंगलोर सीट पर बसपा

के शरवत करीम अंसारी महज 751 वोटों से जीत सके और उन्होंने कांग्रेस के काजी निजामुद्दीन को हराया। टिहरी से भाजपा प्रत्याशी किशोर उपाध्याय भी दिनेश धनै को मात्र 951 वोटों से हराकर विजय हासिल कर सके। श्रीनगर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को काबीना मंत्री धनसिंह रावत सिर्फ 587 मतों से ही हरा सके और जैसे–तैसे जीत पाए। ऐसी विजयी प्रत्याशी जो एक हजार के करीब मतों से ही जीत सके उनकी तो इस बार भरमार रही है। यशपाल आर्य जैसे नेता इस बार सिर्फ 1611 मतों से जीत पाए वहीं सरकार में मंत्री रहे अरविंद पांडे 1120 मतों से ही जीत सके।

युवती लापता, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बाजार गयी युवती के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश कुजं कालोनी जौलीगेन्ट निवासी व्यक्ति ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी सुबह घर से बाजार गयी थी लेकिन अभी तक वापस नहीं आयी।

उन्होंने उसको सभी जगह तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।